चित्रांश एक्सप्रेस डॉट इन

कायस्थ समाज को समर्पित

कार्यालय पता : 84/51, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर-302033

जयपुर, रविवार 01 जून 2025 | श्री चित्रगुप्ताय नमः | वर्ष - 3 | अंक : 105 (पेज - 1)

एक पहल शिक्षा एवं स्वास्थ्य की ओर

नलिनी फाउंडेशन द्वारा चलाया जा रहा निशुल्क व्यावसायिक प्रशिक्षण कोर्स संपन्न

जयपुर, चित्रांश एक्सप्रेस। नलिनी फाउंडेशन 'एक पहल शिक्षा एवं स्वास्थ्य की जोर' से चलाए जा रहे निशुल्क व्यावसायिक प्रशिक्षण कोर्स का समापन किया गया।

इस कार्यक्रम के अवसर पर संस्था कार्यकारी अध्यक्ष विनोद कुमार शर्मा द्वारा बताया गया कि इस प्रशिक्षण के तहत 75 महिलाओं एवं बालिकाओं को सिलाई प्रशिक्षण एवं ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था कोषाध्यक्ष सुनील व्योत्रा एवं निकिता शर्मा द्वारा की गई कार्यक्रम में पधारे मुख्य अतिथि नगर निगम अतिक्रमण विभाग अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह लूनीवाल द्वारा बताया गया कि नलिनी फाउंडेशन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं के लिए किया जा रहे इस व्यावसायिक प्रशिक्षण की सराहना करते हुवे संस्था अध्यक्ष राधे गोविंद माथुर जी का धन्यवाद देते हुवे कहा कि आज के जमाने में बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनकर एवं रोजगार से जोड़कर महिलाओं एवं बालिकाओं को सशक्तकिया जा रहा है वह संस्था सचिव प्रभात माथुर जी द्वार इन महिलाएं एवं बालिकाओं को रोजगार से जोड़ आत्मनिर्भर बनाने की बात कहीं गई। इन व्यावसायिक प्रशिक्षण के दौरान प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान पर आने वाली महिलाओं को अखिल भारतीय कायस्थ महासभा संस्था से अजीत सक्सेना, डॉ. अरुण सक्सेना द्वारा रोजगार से जोड़ने के लिए सिलाई मशीनों, एवं सर्टिफिकेट दिया गया। कार्यक्रम में बालिकाओं द्वारा नृत्य एवं आत्मरक्षा प्रशिक्षण की प्रस्तुति भी दी गई। कार्यक्रम में संस्था से डॉ नरेश दत्त माथुर, आजाद माथुर, अशोक कुमार महावर, अजीम कुरैशी, सम्मिलित रहे।

अभाकाम संस्था द्वारा सिलाई मशीन वितरित

जयपुर, चित्रांश एक्सप्रेस । नलिनी फाउंडेशन की ओर से चलाए जा रहे निशुल्क व्यावसायिक प्रशिक्षण कोर्स का समापन हुआ।

अभाकाम संस्था के महासचिव डॉ. अरूण सक्सैना ने बताया कि नलिनी फाउंडेशन द्वारा हर वर्ष महिला सशक्तिकरण के लिए नि:शुल्क सिलाई कढ़ाई, बुनाई व ब्यूटी पार्लर का प्रशिक्षण दिया जाता है। इस वर्ष 35-35 लड़कियो व महिलाओं के 3 बैंच में सिलाई का प्रशिक्षण दिया गया। इन तीनों बैंचो में प्रथम आई लड़कियों व महिलाओं को अभाकाम संस्था द्वारा रोजगार के लिए सिलाई मशीन पुरस्कार स्वरूप दी गई।

अभाकाम संस्था के अध्यक्ष अजीत सक्सैना, महासचिव डॉ. अरूण सक्सैना, कोषाध्यक्ष रवि माथुर व कोर्डिनेटर मधुप सक्सैना द्वारा तीनों प्रथम आई लड़कियों व महिलाओं को कार्यक्रम में सिलाई मशीन भेंट की।

अभाकाम संस्था के अध्यक्ष अजीत सक्सैना ने नलिनी फाउण्डेशन द्वारा किये जा रहे सामाजिक कार्यो की प्रशंसा की। उन्होने कहा कि इस तरह के सामाजिक कार्यो से गरीब लड़कियों व महिलाओं को रोजगार मिलता है।

चर्तुथ पुण्यतीथि

नलिनी फाउन्डेशन

(गरीब व होनहार विद्यार्थियों हेतु समर्पित संस्था)

नलिनी फाउंडेशन की स्थापना बरवाड़ा परिवार द्वारा श्रीमती नलिनी (23/09/1959 to 02/06/2021) की स्मृतिमें की गयी । अभी यह झालाना व जवाहर नगर कच्ची बस्ती जयपुर में गरीब बच्चों की शिक्षा व रोजगार के लिए व ग्राम बरवाड़ा में गोशाला व पशुओं हेतु चारा व पानी हेतु कार्य कर रही है ।

कायस्थ समाज के कोई भी बालक बालिका शिक्षा या खेलो के लिए सहायता प्राप्त कर सकता है। फाउंडेशन के निदेशक शिहान राधे गोविंद माथुर कनाडा रहते है पर सदैव उपलब्ध रहते हे।

फाउंडेशन शीघ्र ही चौथ का बरवाड़ा में एक कायस्थ धर्मशाला का निर्माण करवा रहा है। जहाँ पर समाज के लोग जो चौथ माता के दर्शन हेतु जाते है ,मुफ्त रहने व खाने की सुविधा प्राप्त कर सकेंगे।

नलिनी फाउंडेशन सभी कार्य जो समाज के उत्थान के लिय किए जाए सहयोग हेतु तत्पर है।

मुंशी प्रेमचंद साहित्य ग्रुप के इस सप्ताह के साहित्यकार

डॉ. अनीता त्रिपाठी ओम

चित्रांश एक्सप्रेस डॉट इन

कोशिश बहुत कि हमने, संभाले रखूं तुम्हें,
लेकिन हर एक पैंतरा, नाकाम हो गया।

मैंने अदब सलीके को, छोड़ी नहीं कभी,
पर तुम्हारा शौक तो, तमाम हो गया।

इक शाम भी तू बिन मेरे, रह नहीं पाया,
फिर ऐसा क्या हुआ ,कि सौ मुकाम हो गया।

मैंने तुम्हारे नाम ही , हर एक शय किए,
गैरों के हिस्से में तेरा, हर शाम हो गया।

मेरा ही हर एक ऐब, गिनाता रहा जहां,
तेरे तरफ ही सारा, ये आवाम हो गया।

मैं अपनी ज़िद को, छोड़ रही तेरे वास्ते,
तुमको मेरे बगैर, जब आराम हो गया।

ये जो तल्खियां शबाब पे, है तेरे आजकल।
फितरत बदलने में तेरा नाम हो गया।

पहलू में मेरे बैठ के, होते थे पुरसुकून,
मेरे करीब आना, तो बस काम हो गया।

चंचल शर्मा चपल
जयपुर

चित्रांश एक्सप्रेस डॉट इन

'तेरा साथ'

एक बार तो कहते, हां, गुज़र जाते हम,
हाथ अपना जो बढ़ाते, तो बिखर जाते हम।

तकदीर से जीते, गर तेरा साथ मिले,
हो आखरी ही चाहे, मुरादी रात मिले।
भूल दुनियां, तेरी बाहों में सिमट जाते हम।
हाथ अपना जो बढ़ाते,तो बिखर जाते हैं हम।।

तेरे दम से है मेरा दम, कहना पाएंगे,
तेरी खातिर हम, जर्रों में बिखर जाएंगे,
तू मुड़ करके देख लेता, तो ठहर जाते हम।
हाथ अपना जो बढ़ाते तो बिखर जाते हम।।

हमने तो यूं ही थम के, देख ली दुनियां
तेरी यादों में ही हमें फकत मिले खुशियां,
तेरी आंखों से टूट करके, किधर जाते हम।
हाथ अपना जो बढ़ाते तो बिखर जाते हम।।

डॉ. मोहन तिवारी
मुंबई

चित्रांश एक्सप्रेस डॉट इन

..... प्रेम के गुलाब.....

जगह जमीन घर मकान सब बँट गये
नौकरी पेशा काम धंधे सब बँट गए
मन्दिर मस्जिद गुरुद्वारे सब बँट गए
चाहिए थी कि इंसानियत जिंदा रहती

शौक ही था बंटवारे का अगर इतना
तो सूरज चाँद सितारे भी बाँट लेते
बाँट लेते हिस्से की अपने धूप और नमी
कहते हो जिसे प्र.त्ति उसे भी बांट लेते

पढ़ ली किताबें, डिग्रियाँ हँसिल कर लीं
घूम लिए जगत, दुनियाँ हासिल कर लीं
रिश्ते रह गए फ़कत पहचान का जरिया ही
हो गए कैद घरों में, सूनी मगर गालियाँ रहीं

कमा तो लिये दौलत सुकूँ दिल का छिन गया
रहे छत के नीचे ही दीवारें मगर खींची रहीं
सिसकता रहा दर्द, बहाने मगर हंसी के रहे
खिले फूल कागज के, सूखी मगर कलियाँ रहीं

एकता की शक्तिसे, मिले हैं रत्न कई सिंधु से
मौत ही मिली है मगर, देख लें हुए हर युद्ध से
प्रेम की जुबाँ ने ही, खिलाये हैं पुष्प गुलाब के
मानवता को सीख लीजिये, आप स्वयं बुद्ध से

कविता चौधरी

चित्रांश एक्सप्रेस डॉट इन

'बारिश तो बड़ी मासूम होती हैं।'
हवा तो दरिया के जैसे बहती हैं,
बारिश तो बड़ी मासूम होती हैं।
बस बवंडरों से भड़क जाती है,
हवा बदल जाए,
तो बूंदों को कहाँ एक जगह,
गिरने देती,
बूंदें दर-दर भटकती हैं।
बारिश तो बड़ी मासूम होती हैं।
बारिश तो आग बुझा देता है,
बारिश से,
ताप में ठंड की नमी छा जाती हैं।
पर जब तूफान आए,
तो हवा हलचल मचा देती हैं,
फिर कहाँ बूंदों को एक जगह
गिरने देती,
और बूंदें भड़क जाती हैं।
बारिश तो बड़ी मासूम होती हैं।
तूफान आने पर,
मिट्टी भी भयानक रूप ले लेती है,
पर बारिश की बूंदें,
उसे भी शांत कर देती हैं।
बारिश तो इतनी शीतल होती हैं।
बारिश तो तब रूप बदलती है,
जब तूफान, मिट्टी, चक्रवात, हवा
सब अपनी हदें पार कर जाती हैं।
बारिश तो बड़ी मासूम होती हैं।

चित्रांश एक्सप्रेस डॉट इन

यूं ही नहीं तेरा भोर होगा।
साये...
अपने,पराये...
सब मतलबी,
गांव, घर, परिवार...
शामिल हर गली,
मगर, तुझे समझने वाला
कहीं और होगा!
यूं ही नहीं तेरा भोर होगा!!

मन चंचल है विषैला,
करता पथ-भ्रष्ट अलबेला,
हो एकाग्र,लगाम लगा...
जीवन, संघर्ष भरा मेला,
वरना कठिन दौर होगा!
यूं ही नहीं तेरा भोर होगा!!

जंजीरों के काबू में...
तुझे आना नहीं।
पांव भी अगर...
काटना पड़े तो घबराना नहीं।
दर्द की सोचेगा तो कमजोर होगा!
यूं ही नहीं तेरा भोर होगा!!

हर अड़चन का
हल निकलेगा,
आज नहीं तो
कल निकलेगा,
इन कच्चे मकानों में फिर शोर होगा!
यूं ही नहीं तेरा भोर होगा!!

रोहताश वर्मा 'मुसाफ़िर'
खरसंडी, नोहर, राजस्थान

चित्रांश एक्सप्रेस डॉट इन

'तप रहा क्यों ? जीवन'

तप रही भूमि
तप रहा आसमाँ
तपते हम देखों
अन्तर्मन का विस्मरण

चिरचिराती धूप
और न कहीं छांव
आस पास नहीं वो
वृक्षों की छांव

नव तपन नहीं ये, तो
हे ये प्रकृति का नियम
सावन के लिए कर रही
तपोभूमि तपस्या व्यायाम

मनुष्य को चाहें मिले
शीतल पेय और छांव
पर न उसे ध्यान
करना होगा उस वृक्षारोपण आज

वृक्ष लगाना प्रयोजन हैं व्यर्थ
वृक्षों को चाहिए हर पल सर्वेक्षण
देखभाल और स्थानीय रहें
उसका भी वहीं निवास,

सोचों भाई सोचों,
ऋतु फिर न आएगी।
कर लो हराभरा धरा को,
नव तपन आयाम।

सौ. निशा बुधे झा निशामन
जयपुर

चित्रांश एक्सप्रेस डॉट इन

भोर में सूरज की
लालिमा,जाग मुसाफ़िर,

भोर का सूरज की देख
लालिमा,उठ मुसाफ़िर,
आलस्य तज,गर तन
मन,विवेक का चाहे स्पंदन।।
पूरबी नभ का मनोरम,
छटा करे हर्षित,उत्तम
निशा का है अवसान,
दिवस हो शुरू संग करम।।
पूजा-पाठ से हो प्रारंभ
देव दर्शन से दिनचर्या
स्वल्पाहार बाद करना
नित्यकर्म का संयोजन।।
सिन्दूरा फिटा,कलरव ,
से पंछी करे उषा रानी
का स्वागत-सत्कार री
वन,बागीचा,खुशबूदार।।

एतेक विभा से मंडित,
प्रकृति चारू सुषमा री
नखशिख वर्णन मुरार
कवि उठाए कलम,धार।।
भोर हुआ मुसाफ़िर री
कर्मप्रधान जीव संबाद
लिए सूर्य का लालिमा
दे रहा विपुल विभा,राम।।

अरुणा अग्रवाल लोरमी,छ. ग.

चित्रांश एक्सप्रेस डॉट इन

मितव्ययता है जीवन का गहना,
सादा जीवन, उच्च विचार कहना।

नहीं ज़रूरत हर चमक में खोने,
सच्ची खुशी है सादगी में सोने।

न व्यर्थ दिखावा, न झूठा शान,
सीखो बचाना, वही है पहचान।

हर बूँद से भरता है सागर,
थोड़ी-थोड़ी बचत लाए बहार।

फिजूलखर्ची है चिंता की राह,
मितव्ययता में है सुकून की चाह।

जो आज बचाए, कल वो पाएं,
सपनों की दुनिया सच्ची बनाएं।

ना हो लोभ, ना हो अहंकार,
मितव्ययिता दे सुंदर व्यवहार।

दुनिया को दो संयम का उपहार,
तभी बनेगा जीवन सुखमय संसार।

अंजुला श्रीवास्तव अजमेर

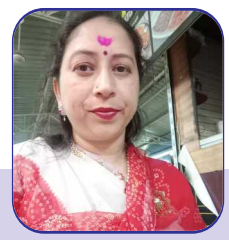

चित्रांश एक्सप्रेस डॉट इन

इक अधूरा रिश्ता
था सब कुछ... पर नाम नहीं,
पास थे हम... पर साथ नहीं।
बातें थीं अनकही सी,
जैसे कोई खत जो लिखा तो गया,
पर भेजा कभी नहीं।
नज़रों में ठहराव था,
पर जुबाँ ने इज़हार से इंकार किया।
हर मुलाक़ात में कुछ और जुड़ते गए,
फिर भी 'हम' कभी पूरा नहीं हुआ।
कोई वादा नहीं था,
फिर भी उम्मीदें थीं।
कोई दूरी नहीं थी,
फिर भी फ़ासले थे।
शब्दों से ज़्यादा,
हमारी ख़ामोशियाँ बोलती थीं।
एक-दूजे की धड़कनों को पढ़ते थे,
फिर भी दिलों की किताब अधूरी रही।
वक़्त ने साथ नहीं दिया,
या शायद हमने खुद को रोक लिया।
कौन जाने, किस मोड़ पर
वो रिश्ता रुक गया
जिसे चलना था बिना ठहरे।
अब जब याद आती है,
तो मुस्कान भी आती है...
और एक टीस भी
कि कुछ रिश्ते मुक़द्दर में
'अधूरे' ही लिखे जाते हैं।

अतिशा माथुर, जयपुर

मुंशी प्रेमचंद साहित्य ग्रुप द्वारा मेरी प्यारी माँ प्रतियोगिता के साहित्यकार

'मेरी प्यारी माँ'

चित्रांश एक्सप्रेस डॉट इन

मेरे कुल के अधरों की माँ, तुम ही एक मुस्कान हो।
प्यार प्रीत अनुराग की माँ, तुम ही एक पहचान हो।
गंगा पावन सरिता का माँ, तुम ही एक किनारा हो।
हम सब तेरे बच्चों का माँ, तुम ही एक सहारा हो।
उषा की लालिमा से,निकल रहा प्रकाश हो माँ।
पूरे जग में फैल रहा, तुम ही वो आकाश हो माँ।
हर जीव के जीवन का, तुम ही एक आधार हो माँ।
निज कुल की मर्यादा का, तुम ही एक आकर हो माँ।
अंधियारी रातों में माँ, मधुर चाँदनी तुम ही हो।
भक्तिके गीतों में माँ ,स्वरा रागिनी तुम ही हो।
बच्चों के दिल दर्दों में, लोरी की एक आहट हो।
जीवन की विपदाओं में, मंद मंद मुस्कुराहट हो।
अंधकार को चीर सके, वो ही एक किरण है माँ।
विपदा में दे धीर सके, वो ही एक शरण है माँ।
घर रूपी उपवन की माँ , तुम ही एक हरियाली हो।
हर विपदा में इसकी माँ, करती तुम रखवाली हो।
माता ममता तेरी से , मन में मधुरता आ जाती।
सावन के आते ही ज्यों, उपवन हरितिमा छा जाती।
है तू ही मेरी ईश वंदना , तू ही दुर्गा पूजा माँ।
तेरे जैसा जग में कोई, और नहीं है दूजा माँ।
नित्य प्रातः कर माँ दर्शन, चरण शरण जो जाता है।
बिना रुकावट बड़ा के, वो भवसागर तर जाता है।

रमेश शर्मा

मानसी मित्तल, शिकारपुर, बुलन्दशहर यूपी

चित्रांश एक्सप्रेस डॉट इन

माँ... मैं तेरी परछाई
माँ... तुम नहीं तो,
हम नहीं ।
माँ तुम बिन मेरा,
कोई अस्तित्व नहीं।।
माँ तुमसे ही तो मिली है,
मुझे ये जिंदगी।
माँ तुमसे ही मिली है मुझे,
जीवन की हर खुशी।।
माँ तुम मेरे लिए,
केवल एक शब्द नहीं हो।
मेरे जीवन का हरपल,
एक सबब बनी हो।।
माँ तुम मेरी धड़कन में समाई हो।
कुछ लोग कहते हैं मुझसे,
तुम अपनी माँ की परछाई हो।।
बहुत अच्छा लगता है,
यह सुनना ।
मानो लगता है जैसे,
रक्तबढ़ गया हो दो-गुना।।
माँ अपने रक्तसे सींच,
जो तुमने दिया है मुझे जीवन।
एक नन्ही कली से लेकर,
सोपान चढ़ाया है यौवन।
माँ तुमने जो दिए हैं मुझे संस्कार,
यही तो दौलत पाई है।
किसी का बुरा नहीं करना तुम,
यही तो बात सदैव सिखाई है।।
माँ मैं भी तुम्हारी तरह,
बनना चाहती हूँ।
जैसे तुमने सबके दिलों पर राज किया था,
वैसा ही राज मैं भी पाना चाहती हूँ।।
माँ आज भी एक सीख याद आती है तुम्हारी,
किसी का भरोसा नहीं तोड़ना है।
सदैव निःस्वार्थ भाव व निष्पक्ष भाव से
जीवन जीना है।।
माँ आज तुम्हारे ही पदचिन्हों पर चलकर,
मैं भी सबका दिल जीत पाई हूँ।
माँ तुम्हारी दी सीख को गाँठ बाँधकर,
तभी तो.. मैं तुम्हारी परछाई कहलाई हूँ।।

चित्रांश एक्सप्रेस डॉट इन

माँ के जाने के बाद...
नहीं दिखती अब,
नरम धूप के अहसास के बीच,
बिछा खटिया आँगन में,
रंग बिरंगे धागों से,
हुनरमंदी से स्वेटर बुनती माँ ।
हर आने जाने वाले पर,
नज़र गड़ाए,
किसी खूबसूरत डिजाइन की चाहत में,
रतार से सलाइयों पर,
ऊंगलियां चलाती माँ ।
रंगबिरंगे धागों से,
नये नये डिजाइन बना,
उलटे सीधे फंदों में,
अपना प्यार लुटा,
सपने बुनती माँ ।
पहना अपने लाडले को,
बलइयाँ लेती माँ ।
आस पड़ोस की सखियों को घर बुला.. पास बैठा,
लड्डू बनाने की, रेस्पी बताती माँ ।
माटी का चूल्हा जला,
मख्खन से लथ पथ,
परांठे खिलाती माँ ।
नाती पोतों की जिद को, संवेदनाओं में पिरो कर,
जादू की झप्पी देती माँ।
माँ की यादें,
रंगबिरेंगे धागों से निकल कर,
कागज़ पर उतर कर..
किस्सा बन गईस
माँ तो माँ थी,
उतर कर मेरे भीतर,
मेरी कविता का हिस्सा बन गई ।

कमलेश शर्मा, जयपुर

चित्रांश एक्सप्रेस डॉट इन

माँ पर हाइकु
1
माँ का हृदय
ममता का सागर
क्षमा का कोष।
2
माँ का आंचल
विस्तार बैकुंठ का
रक्षा कवच।
3
माँ के चरण
स्वर्ग की दहलीज
प्रेम विग्रह।
4
माँ के वचन
शहद से भी मीठे
अमि सरीखे।
5.
अतुल्यनीय
नैसर्गिक आनंद
माँ की गोद में
6.
दृढ़ दीवार
शिशु के चहुंओर
है माँ का अंक
7.
माँ तपा वत्स
संस्कार की अग्नि में
बनाए स्वर्ण !
8.
माँ अन्नपूर्णा
खिला कर प्रसन्न
वात्सल्य मूर्ति!

पुरुषोत्तम श्रीवास्तव 'पुरु'
जयपुर

रेणू अग्रवाल, हैदराबाद

चित्रांश एक्सप्रेस डॉट इन

माँ

धन्य है माँ बेहिसाब तुम।
तेरे धैर्य की इन्तेहा नहीं है।
तेरी सहन शक्तिअसीम,
जिसकी कोईथाह नहीं है।
बच्चों को चांटा मार,
खुद भी रो लेती है तू।
तंग हो हो कर भी,
चुप रह लेती है तू।

खुद को भूल जाती है।
बच्चों को बढ़ा कर देती है।
जवानी लुटा देती है मां।
बच्चों को संवार देती है मां।
कोई इच्छा बच्चों की,
पूरी न् कर पाई तो,
बच्चे बोलते हैं माँ को,
क्यों हमें जाई तू।

इधर पति का अरमान।
उधर बच्चों का आह्वान।
फ़िर संतान प्राप्ति।
मिलता माँ का सम्मान।
माँ बनना आसान नहीं है।
ये छोटा काम नहीं है।
पिता जितना कमाते है।
घर में खर्च करते जाते हैं।

हर बच्चा माँ के लिये,
शहज़ादा हुआ करता है।
माँ की ममता का हक,
सब बच्चों पे चलता है।
दुनिया की जो माता है
नव दुर्गा कहलाती है।
दस दस हाथों से जो,
सृष्टि संभालती है।

बावन पीठों में माँ
आज भी चमत्कार दिखाती हो।
बिगड़े बच्चों को माँ,
आप ही समझाती हो।

मां ने अवतार लिया,
तो दानवों को मार दिया।
ये हाड़ मांस की माँ बेचारी,
को आश्रम में डाल दिया।

मां की महिमा का,
गान, हो नहीं सकता।
कोई बेटा माँ का सम्मान,
क्यों कर नहीं सकता
बदमाश बेटों से
मां बाप जीत नहीं पाते हैं।
मां हार जाती है।
बेटे सीख नहीं पाते हैं।

मां हरेक रूप में प्यारी है।
मां बच्चों की दुलारी है।
मां बिन नहीं घर आँगन है।
मेरी मां हर रिश्ते पे भारी है।
सबसे पहले मां से रिश्ता।
बाद में आता दूजा रिश्ता,
मां जो भोजन बनाती,
उसके लिए कान्हा भी तरसता।

अचार,पापड़ ,मुरकुल,पकौड़ी।
मां के हाथों बनती जो कड़ी।
वो खट्टे दाल चांवल,
आज भी याद है वो रेवड़ी।
हर त्यौहार पर जो व्यंजन बनाती।
सबको खिलाती,खुद खा न पाती।
इतना घर का काम है करती।
बच्चों का भविष्य बनाती।

बच्चों की सूरत देखकर।
मां बच्चे का दुःख जान जाती।
घर में इलाज करती,
घर में डाक्टर बन जाती।
रोया बच्चा तो मां।
भागी दौड़ी आती।
गोद में उठाकर,
बच्चे को लाड करती।

डॉ.नीलम कालरा
जयपुर

चित्रांश एक्सप्रेस डॉट इन

माँ तो बस माँ होती है...।।
माँ है कितना प्यारा कोमल लघु शब्द,पर अर्थ गहन गंभीर है।
परिभाषित कोई कैसे कर पाये,माँ गुणों की खान वर्णनातीत है।।

मिला उसे मातृत्व का वरदान,पहनाती शिशु को संस्कारों के परिधान।
नवांकुर होता है कोरा कैनवास, उकेर जीवन-कला-रंग भरती उजास।।

स्नेह वात्सल्य की वह है प्रतिमूर्ति, अनगढ़ शिशु को बना देती पूर्ण .ति।।
डांट-फटकार से बनाती है उसे योद्धा, बन सके जीवन-क्षेत्र में सफल पुरोधा।।

धरा पर ईश्वर की सुन्दर प्रति हो तुम, संतान के दुख-दर्द में अंतर्यामी हो तुम।।
अरमान दबा कितना कुछ सह जाती हो, किसी अपेक्षा की नही अभिलाषी हो तुम।।

त्याग समर्पण गुण पूरित होकर, खुद को सबमें बांट दिया तुम ने।
बच्चों ने बांट दिया जब माँ को, उस क्षण ने छलनी कर किया तुमको।।

माँ है तो पूरा जग है हरा-भरा,अगणित कष्ट उठाती है वह।
तपती धूप या ठिठुराती शीत से घर लौटे,विकल सी औलाद को आंचल में छिपाती है वह।।

कहते हैं माँ तो है एक एहसास, जो कहीं नही जाती है।
सदा रहती हमारे आस-पास,जीवन-पथ में भी फैलाती 'प्रकाश' है।।

लिखा है जब माँ ने मुझको,उसको कैसे वर्णित कर पाऊँ।
सृष्टि पर भारी धरा है सबसे,पर मैं तो सदा माँ के ही गुण गाऊँ।।

चित्रांश एक्सप्रेस डॉट इन

प्यारी मां
मां तेरी बोली वेद ऋऋवाओं जैसी
परम पिता ने जब संसार बनाया उन्हें
माँ का खयाल आया उन्होंने सृष्टि का
सृजन कर्ता माँ को बनाया धरती को
मिली जैसे अम्बर की छाया माँ वैसे ही
तूने तेरी सन्तान के लिए आँचल
फैलाया माँ तूने तेरी सन्तान को जब
बोलना सिखाया कितने ही तक्षशिला
और नालंदा को मैंने तेरे कदमों में
झुकते पाया
माँ तेरी बोली वेद ऋऋचाओं जैसी
तेरी लोरी महाकाव्य कथाओं जैसी
सपने सन्तान के हो जायें पूरे माँ तूने
अपने अनगिनत सपनों को बिसराया
माँ के आँचल की महक से महक
उठता जीवन जैसे उपवन ने अपना
सम्पूर्ण सुगंध फिजां मे फैलाया

ज्योति श्रीवास्तव

MARRIAGE BIO-DATA

D.O.B:- 03 June 1992
T.O.B:-
P.O.B:-
Height:- 5' 6" Mangali:- No
Edu. :-B.Tech in Computer Science
Job:- Associate Consultan
Annual income:- 15 LPA
Father : Late Shri Kishan Swaroop Mathur
Mother: Smt. Kumkum Mathur
Address:- Jaipur
Mob. : 8005735703, 7073362408

SHUBHAM MATHUR

MARRIAGE BIO-DATA

D.O.B:- 06-07-1990
T.O.B:- 06.50 p.m.
P.O.B:- New DelhiGotra
father:- Kashyap Gotra
Height:- 5' 3" Mangali:- No
Qualifications:-Graduate
Job:- MNC - Planon India, Hyderabad
Annual income:- 22.5 LPA
Father : Anil Saxena Retired as Section Officer from Min. Of Finance
Mother: Manju Saxena
Address:- Gaur City-1, Noida Extension, Gautam Budh Nagar, UP Anil Saxena 9013376454Manju Saxena 9868886145

PRAGYA SAXENA

MARRIAGE BIO-DATA

DOB: 04/10/1999
Birth Time: 20:12 pm
Birth Place: Lucknow E
ducation: B.com (Hons), M.com, B.ed
Pursuing: PhD in commerce (Marketing subject) from Amity University, Lucknow
Current job : Working in Flipkart as a business development manager
Mother Name: Reeta Saxena
Father Name: Dinesh Saxena
Home town: Sitapur, Uttar Pradesh
Current Residence: Lucknow
Contact number - 7317006311 , 7081401463

PRIYANKA SAXENA

MARRIAGE BIO-DATA

Birth Date : 27-08-1997
Birth Place : Azamgarh U.P.
Birth Time : 6:30 AM
Mangalik : No
Gotra : Kashyap
Education : (B.Com, M.Com).
F Name : Mr. Ashok Kumar Srivastava

Add.:ANC/045,Azad Nagar ,Kanpur Road near Amausi Airport Lucknow

Contact : 7007623189,9452372982, 9118733277

AKANSHA SRIVASTAVA

MARRIAGE BIO-DATA

D.O.B. :-04/10/1999
T.O.B. :-20:12 pm
P.O.B. :-Lucknow
Gotra :-
Height :-
Manglik :- No
Edu. :-B.com (Hons), M.com, B.ed
Job :-CICI Bank as a senior officer

F.Name :-Dinesh Saxena
M.Name :-Reeta Saxena

Address :-Sitapur, Uttar Pradesh
Mob :- - 9554580028, 9794749102

PRIYANKA SAXENA

MARRIAGE BIO-DATA

D.O.B. :-25 May 1999
T.O.B. :- 04:50 A.M.
P.O.B. :- Hajipur, Bihar
Gotra :-Kashyap
Height :-5 feet 0 inches
Manglik :- No
Edu. :-B. Pharm
Job :-Regulatory Affairs Specialist at Cbayexpress Corporation (Herbishh) Nodia
F.Name :-Sh. Rajesh Ranjan Verma
M.Name :-Sarita Sinha
Address :- Bharat City, Ghaziabad
Mob :- 9319973209

Arunima

MARRIAGE BIO-DATA

D.O.B. :-09/07/2003
T.O.B. :-03:20 A.M.
P.O.B. :-Chhatarpur,M.P.
Gotra :-Kashyap
Height :-5 feet 5 inches
Edu. :-B.A., Pursuing B.T.C.
Job :-
F.Name : - Mr.Ram Prakash Nigam
M.Name :- Mrs.Archana Nigam
Address :- Galan Road, Harpalpur, Chhatarpur, M.P
Mob :- - 6265846879

ANSHI NIGAM

MARRIAGE BIO-DATA

D.O.B. :-14/12/1996
T.O.B. :-3:45 PM
P.O.B. :-Biharsharif
Gotra :-Ambastha
Height :-5 F 5 Inch
Manglik :- No
Edu. :-MBA in Finance (BIMM, Pune) B.Com in Accounts Hons.
Job :-Oracle (Bangalore) Financial Analyst
F.Name :-Ajay Kumar
M.Name :-SimmiKumari
Address :-GayatriNiwas, Adarsh Nagar, Road No - 3, Phulwari Sharif,
Mob :- - 9006634367

AMISHA SINHA

MARRIAGE BIO-DATA

DOB: : 8-8-1994
BOT : 10:10 PM
POB : Sawai madhopur
Hight : 5'6".
Gotar : kashyap
Education : MA History
Father - Manoj Kumar Shrivastava
Mother -Mrs Mithlesh Shrivastava
Address- Spl 1 Ricco colony Kherda Sawai madhopur Rajasthan.
Mobile : 9079838646, 8949354721
Only- Rajasthan MP Delhi

SONAL SHRIVASTAVA

MARRIAGE BIO-DATA

D.O.B.:-18/10/1993
T.O.B.:-07:00 PM P.O.B.:-Jaipur
Gotra:-SikanderPuria
Height :- 5 feet 11inch Manglik :- Yes
Education MCom
Job :-: Tele Performance Jaipur M.C.A.
Income :- 5 Lac
F. Name : -MadhupSaxena
Mother Name :-Maya Saxena
Address :-DadiKaFatak, Jaipur
Mob :-9772202022

AMAN SAXENA

MARRIAGE BIO-DATA

D.O.B. :-19 -12 -1998
T.O.B. :-
P.O.B. :-SHIVPURI M.P.
Gotra :-AMROTIYA
Height :-5 F 6 Inch
Manglik :- No
Edu. :-M.B.A. IN FINANCE & MARKETING
Job :-ACCOUNT EXECUTIVE
F.Name :- Mr. MANOJ SAXENA
M.Name :-LATE Mrs. NIDHI SAXENA
Address :-GWALIOR M.P
Mob :- - 8384091352

YASH SAXENA

MARRIAGE BIO-DATA

D.O.B. :- 04-12-93
T.O.B. :-02:05 P.M.
P.O.B. :-Jaipur, Rajasthan
Gotra :- Laloriya
Height :- 5 ft. 5 inches Manglik :- NO
Education B.Tech in CS from Poornima College,Jaipur,RTU KOTA
Job :- Senior Quality Assurance Engineer in Veritas LLC,Posted Pune
Annual income:- 20 LPA
F. Name :-Adv. Rakesh Saxena
M. Name :-Mrs.Neelima Saxena
Address :-Dev Nagar,Tonk Road,Jaipur
Mob :- 95712 16971

ER.ARUSHI SAXENA

स्व. कैलाश नारायण सारंग की 91वीं जयन्ती एवं 'मातृ–पितृ भक्ति दिवस' का आयोजन

झांसी, चित्रांश एक्सप्रेस। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा, झांसी के तत्वावधान में कलेक्ट्रेट परिसर स्थित वरिष्ठ अधिवक्ता अविनाश सक्सेना के चेम्बर पर भा.ज.पा. के संस्थापक सदस्य तथा पूर्व राज्यसभा सांसद स्व. कैलाश नारायण सारंग की 91वीं जयन्ती एवं 'मातृ-पितृ भक्ति दिवस' का आयोजन किया गया। उक्तअवसर पर अ.भा. कायस्थ सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रशान्त सक्सेना, प्रान्तीय मंत्री आनन्द कुमार सक्सेना, प्रवक्ता एड. अजय कुमार सक्सेना, प्रदीप श्रीवास्तव, एड. अविनाश सक्सेना, संजय निगम, सर्वेश सक्सेना, राम बाबू खरे आदि द्वारा कैलाश नारायण सारंग के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प भेंट कर श्रद्धा सुमन अर्पित किते। कार्यक्रम का संचालन आनन्द सक्सेना एवं एड. अजय सक्सेना द्वारा आभार व्यक्त किया गया। उपस्थित वक्ताओं ने सारंग जी के संस्मरण पर प्रकाश डाला। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री विश्वास सारंग के पिता कैलाश नारायण सारंग का 2 जून 1934 को रायसेन जिले के डूमर गांव में जन्म हुआ। मीसाबंदी रह चुके सारंग जी द्वारा प्रधानमंत्री मोदी पर 'नरेंद्र से नरेंद्र' शीर्षक पुस्तक भी लिखी , उन्होंने जनसंघ के दौर में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी के साथ लंबे समय तक काम भी किया तथा 1990 से 1996 तक राज्यसभा सांसद रहे, इसके साथ ही सारंग जी अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

प्रेमचंद के नाम 42 साल से खाली पड़ा है भूखंड

मुंशीजी की स्मृतियों को चिह्नित करने के लिए बने दल का खुलासा। पांडेयपुर में 1983 में मूर्ति अनावरण के समय मिला था भूखंड

वाराणसी, चित्रांश एक्सप्रेस। प्रेमचंद समर्थकों ने शहर में उनसे जुड़े अन्य स्थलों को चिह्नित करने के लिए बढ़ाए गए अपने पहले ही कदम पर चौंकाने वाले तथ्य से पर्दा उठाया है। शहर के मध्य संजयनगर कॉलोनी क्षेत्र में मुंशी प्रेमचंद के लिए एक भूखंड 42 साल से आरक्षित है।

यह भी कम आश्चर्य नहीं कि 1983 से अब तक यह भूखंड खाली है। वयोवृद्ध समाजवादी चिंतक विजय नारायण के नेतृत्व वाले दल ने इस तथ्य का खुलासा किया है। करीब तीन बिस्वा का भूखंड पुलिस चौकी के ठीक पीछे है। इसके मुंशीजी के नाम पर आरक्षित होने का प्रकरण 1983 में पांडेयपुर चौराहा पर उनकी मूर्ति के अनावरण समारोह से जुड़ा है। प्रदेश के तत्कालीन नगर विकास मंत्री श्री.ष्ण गोयल पांडेयपुर मूर्ति का अनावरण करने आए थे। कार्यक्रम स्थल पर ही उन्होंने मुंशीजी की स्मृतियों को समर्पित गतिविधियों के लिए शहर में भूखंड उपलब्ध कराने की घोषणा की। उसी निर्देश के अनुपालन में वीडीए ने संजयगांधी नगर में यह भूखंड चिह्नित किया।

खोजी दल के दूसरे सदस्य डॉ तपन घोष का मानना है कि लंबे समय से प्रेमचंद के लिए आरक्षित भूखंड की बात आखिर क्यों दबी रह गई, यह बड़ा सवाल है। किसान नेता राजेंद्र चौधरी ने कहा कि 42 साल पहले वहां प्रेमचंद पुस्तकालय ही शुरू कर दिया गया होता तो बीच शहर वह प्रेमचंद से जुड़े महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में अब तक विकसित हो चुका होता। नागरी प्रचारिणी सभा की कार्यकारिणी के सदस्य इंद्रजीत सिंह का कहना है कि अब भी देर नहीं हुई है। प्रेमचंद साहित्य मेला के रूप में उस भू-खंड पर नवीन बीजारोपण किया जा सकता है।

के. एस. पी. ट्रस्ट' के तत्वावधान में 'शोभायात्रा समिति' की बैठक

मीरजापुर, चित्रांश एक्सप्रेस। अग्रणी सामाजिक संस्था 'के. एस. पी. ट्रस्ट' के तत्वावधान में 'शोभायात्रा समिति' की एक बैठक विगत रविवार को लोंहदी रोड, मीरजापुर स्थित माधव कुंज पर ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. शक्तिश्रीवास्तव की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

विगत दिनों समिति द्वारा निकाली गई भगवान चित्रगुप्त जी की भव्य शोभायात्रा ने अपने प्रथम प्रयास में ही जिस ऐतिहासिक सफलता को प्राप्त किया, उस हेतु सभी सदस्यों का आभार व्यक्तकरते हुए अध्यक्ष डॉ. शक्ति श्रीवास्तव ने कहा कि इस शोभायात्रा ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया कि समाज की एकजुटता के बल पर कुछ भी असंभव नहीं है तथा निश्चित ही आने वाले दिनों में जागरूकता व सामाजिक चेतना के संचार द्वारा बड़े ही सुखद व लाभकारी परिणाम प्राप्त होंगे।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आजादी की लड़ाई के 'भारत छोड़ो आंदोलन' में जनपद के एकमात्र शहीद नरेश चन्द्र श्रीवास्तव की स्थानीय गुड़हट्टी स्थित बी. एल. जे. इंटर कॉलेज में लगी प्राचीन प्रतिमा के जीर्णोद्धार व सुन्दरीकारण

का कार्य निकट भविष्य में कराया जाएगा, साथ ही समिति द्वारा इस अवसर पर शोभायात्रा के आय व्यय का विस्तृत विवरण भी प्रस्तुत किया गया।

उक्त कार्यक्रम में विशिष्ट सहभागिता हेतु 'पद्मश्री' उर्मिला श्रीवास्तव, प्रवीण श्रीवास्तव 'मिंटू', मनोज श्रीवास्तव, डॉ. अनिल श्रीवास्तव, शिवम श्रीवास्तव, संजय श्रीवास्तव, एड. सुधांशु श्रीवास्तव, नरेन्द्र श्रीवास्तव, पंकज श्रीवास्तव, राजन श्रीवास्तव, एड. शिवम श्रीवास्तव, श्रीश श्रीवास्तव, राजेश श्रीवास्तव के साथ ही अखिल भारतीय कायस्थ महासभा की जिला शाखा को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में मुख्य रूप से डॉ. शक्ति श्रीवास्तव, सुशील श्रीवास्तव, शिवम श्रीवास्तव, रजत श्रीवास्तव, पंकज श्रीवास्तव, एड. सुधांशु श्रीवास्तव, राजन श्रीवास्तव, अंकुर श्रीवास्तव, राजेश श्रीवास्तव, नरेन्द्र श्रीवास्तव, एड. शिवम श्रीवास्तव, डॉ. पी. पी. श्रीवास्तव, श्रीश कुमार श्रीवास्तव, करुणा निधान, मनोज चित्रांश, सुधीर श्रीवास्तव, अमिताभ श्रीवास्तव व सचिन श्रीवास्तव इत्यादि उपस्थित रहे। उक्त जानकारी समिति के मीडिया प्रभारी एड. शिवम श्रीवास्तव द्वारा दी गयी।

राजीव रंजन प्रसाद उच्च जाति आयोग बिहार के उपाध्यक्ष मनोनीत

बिहार, चित्रांश एक्सप्रेस। जेडीयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं ग्लोबल कायस्थ कांफ्रेंस के ग्लोबल राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राजीव रंजन जी को उच्च जाति आयोग बिहार में उपाध्यक्ष के पद पर मनोनीत होने पर पूरे राजस्थान में हर्ष की लहर दौड़ पड़ी है। जीकेसी के प्रदेश मीडिया प्रभारी अरुण माथुर ने ये जानकारी सभी से सांझा की है। उनके अनुसार काफी समय से ये मांग उठाई जा रही थी कि उच्च जाति के अधिकारों पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया जा रहा हैं। श्री राजीव रंजन इसी दिशा में समाज के प्रति ओर उनके अधिकारों के लिए आवाज बुलंद करने की पुरजोर कोशिश करते रहे है। इसी की सुनवाई करते हुए बिहार राज्य सरकार ने श्री राजीव जी को ये नई जिम्मेदारी सौंपी है। राजस्थान प्रदेश महासचिव श्री दीपेश भटनागर ने बिहार प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय श्री नीतीश कुमार का आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि उनके इस फैसले ने समाज का हौसला बढ़ाया है। सम्माननीय श्री राजीव रंजन जी कायस्थ समाज के प्रति समर्पित भाव से अपनी सेवा निरन्तर दे रहे हैं। ये हम सभी के लिए गौरव का विषय है राजस्थान प्रदेश में उनके माध्यम से उनके मार्गदर्शन में काम कर हो है। पूरे राजस्थान प्रदेश की ओर राष्ट्रीय पदाधिकारी मेजर जनरल अनुज माथुर, श्री आदित्य

नाग, श्रीमती कविता श्रीवास्तव, श्री नवीन कुमार राजस्थान प्रभारी, श्री गिरीश माथुर प्रदेश अध्यक्ष, श्रीमती रेनू श्रीवास्तव महिला प्रकोष्ठ जयपुर, श्री रितेश सक्सैना, श्री पुनीत भटनागर प्रदेश उपाध्यक्ष, श्री अर्पित श्रीवास्तव प्रदेश सचिव, एव संभाग पदाधिकारी रमेश सक्सेना जैसलमेर, आशीष श्रीवास्तव, आशीष माथुर, दीपक माथुर, मुकेश अस्थाना जिला पदाधिकारी धर्मेश सक्सेना, श्रीमती पुष्पा माथुर जयपुर, अश्वनी सक्सेना, शैलेन्द्र सक्सेना धौलपुर, नीरज सक्सेना, राजेश सक्सेना बीकानेर, श्रीमती अंजुला श्रीवास्तव, श्री रवि माथुर अजमेर, श्रीमती रंजना खरे बालोतरा, डॉ शिल्पी कुलश्रेष्ठ, अविनाश भटनागर, राजीव निगम, सुनील भटनागर, राजेंद्र माथुर, हर्ष भटनागर जोधपुर सहित सभी ग्लोबल कायस्थ कान्फ्रेंस, राजस्थान, के पदाधिकारियों ने बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित किया है।

वार्ड 70, मानसरोवर की महात्मा गांधी स्कुल का परिणाम रहा शतप्रतिशत

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान के द्वारा कक्षा 10 वीं का परिणाम जारी किया।

जयपुर, चित्रांश एक्सप्रेस। जयपुर महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय कावेरी पथ मानसरोवर ने एक बार फिर परचम लहरा दिया है, हर साल की तरह इस साल भी विद्यालय के विद्यार्थियों ने विद्यालय का नाम बोर्ड परीक्षा में रोशन करते हुए विद्यालय में प्रथम स्थान पर गीतांजली 95.33 प्रतिशत, द्वितीय स्थान पर रियांशी चौधरी एवं मीनल सैनी 91.33प्रतिशत, तृतीय स्थान पर प्रतीक्षा गौतम व नवोदित चन्द्रेश 91.00 प्रतिशत प्राप्ति किया। इस प्रकार विद्यालय में 90प्रतिशत से ऊपर कुल 5 विद्यार्थी रहे।

वार्ड पार्षद रामावतार गुप्ता ने विद्यालय की प्रधानाचार्या अनु चौधरी ने एवं उप प्रधानाचार्य मदन मोहन शर्मा को बधाई देते हुए कहा कि आपके प्रयास सराहनीय है, इस सत्र में कक्षा 10 वीं में कुल 55 विद्यार्थी ने परीक्षा दी जिसमें प्रथम श्रेणी से 48 विद्यार्थी एवं द्वितीय श्रेणी से 7 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए विद्यालय का परिणाम 100 प्रतिशत रहा

यही नहीं विद्यालय के 2 होनहार विद्यार्थी प्रतिष्ठा गौतम एवं नवोदित चन्द्रेश ने विज्ञान विषय में 100 में से 100 अंक प्राप्त किए जिसके लिए उनके विषय अध्यापक लक्ष्मण सिंह सीनियर को भी शुभकामनाएं दी एवं सभी उत्तीर्ण हुए विद्यार्थियों एवं उनके विषय अध्यापकों को अच्छे परिणाम हेतु बधाई एवं शुभकामनाएँ दी।

'जय चित्रांश' का जयघोष करने पर हम अपने कुलदेवता भगवान श्री चित्रगुप्त का जयघोष करते हैं

चित्रांश एक्सप्रेस। एक बात समझ में नहीं आती। हम अपने कुल देवता का स्मरण 'जय चित्रांश' कहकर करते हैं। तो चित्रांश तो भगवान श्री चित्रगुप्त जी सभी संताने यानी 12 पुत्र हुते जो अब 12 कायस्थ उपजातियां - श्रीवास्तव, माथुर, सक्सेना, भटनागर , कुलश्रेष्ठ, निगम आदि हैं और सभी भगवान श्री चित्रगुप्त के अंश होने के कारण' चित्रांश' ही हैं। तब हम अपने कुलदेवता भगवान श्री चित्रगुप्त का स्मरण करते हैं अथवा स्वयं का। इसी तरह 'जय चित्रांश' का जयघोष करने पर हम अपने कुलदेवता भगवान श्री चित्रगुप्त का जयघोष करते हैं अथवा स्वयं का।

किसी संदेश पर केवल अपने कुलदेवता का नाम या जयघोष लिख देने से प्रकाशित - प्रसारित संदेश पर टिप्पणी करने बाले की सहमति या असहमति तो प्रकट नहीं होती, केवल शब्द और विचारों का दारिद्रय ही प्रकट होता है। कायस्थ समाज बुद्धिजीवी वर्ग है, इस वर्ग में विचार और शब्दों की शून्यता होना तो नहीं चाहिए।

प्रो. डॉ. राजीव सक्सेना नशा मुक्ति आंदोलन, पुरोधा सम्मान से सम्मानित

जयपुर, चित्रांश एक्सप्रेस। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार द्वारा, विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर गोविन्द देव जी मंदिर, जयपुर में आयोजित गायत्री यज्ञ व सम्मान समारोह में, जयपुर के वरिष्ठ होम्योपैथ प्रो.डॉ. राजीव सक्सेना को, नशा मुक्ति आंदोलन पुरोधा सम्मान से नवाज़ा गया।

प्रो.डॉ.सक्सेना ने विभिन्न जगहों पर नशा मुक्ति शिविर लगाये व व्यसनी लोगों को हर प्रकार के नशे से दूर रहने की सलाह देकर प्रोत्साहित किया व यथोचित ईलाज में सहायता प्रदान की।

उन्हें ये पुरूस्कार महंत श्री अंजन कुमार गोस्वामी व स्वामी श्री अवधेशाचार्य महाराज तथा सिविल लाइन, जयपुर विधायक गोपाल शर्मा जी के कर कमलों द्वारा प्राप्त हुआ, उन्हें प्रतीक चिन्ह देकर व दुपट्टा पहना कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। वर्तमान में प्रो. डॉ. सक्सेना स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं रिसर्च सेंटर में वरिष्ठ आचार्य व चिकित्सक हैं।

डॉ संजय श्रीवास्तव जी को चिकित्सा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोनीत होने पर

चित्रांश एक्सप्रेस। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा 7235 भारत के चिकित्सा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोनीत होने पर डॉ संजय श्रीवास्तव डी एन ए स्पिलसलिस्ट जी का आज शाम को श्री डायग्नोस्टिक सेंटर एंड रिसर्च सेन्टर एवम् श्री चित्रगुप्त पूजन महासमिति जौनपुर एवम् सभी संगठनों द्वारा डॉ संजय श्रीवास्तव जी का एक सम्मान किया गया है जिसमे नगर के संभ्रांत लोग व्यापार मण्डल के सदस्य, मेडिकल एसोसिएशन के सदस्य कायस्थ समाज के सदस्य, अधिवक्ता बन्धु मौजूद रहे।

राष्ट्रीय प्रवक्ता विश्व प्रकाश श्रीवास्तव दीपक पत्रकार जी पीटीआई के शादी विवाह वर्षगांठ पर एवं राष्ट्रीय सचिव गौरव श्रीवास्तव राजा के जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं बधाई दिया गया। सभी संगठनो के लोगों ने 23 अक्टूबर 2025 को श्री चित्रगुप्त पूजन है देशभर में है जौनपुर में इसी दीन भगवान चित्रगुप्त मंदिर बारीनाथ से दोपहर 3 बजे भगवान चित्रगुप्त मन्दिर रूहट्टा धर्मशाला तक विशाल शोभायात्रा पैदल निकाली जाएगी जिसे सभी संगठनो के लोगों ने सफल बनाने का निर्णय लिया सभी ने कहा कि भगवान चित्रगुप्त जी सभी धर्म समुदाय के भगवान हैं जो सभी का लेखा जोखा रखते है।

डेंगु एवं मलेरिया का प्रभावी ईलाज
HOMOEOPATHIC CHIKISTA KENDRA

Dr. B.C. Saxena
B.Sc. D.H.M.S.
(Heart & General Physician)
Mob.: 98281-59170
विशेषज्ञ : हृदय रोग, पाइलस, अल्सर पथरी, बच्चों के रोग, स्त्री रोग
38/17, Madhyam Marg, Kiran Path, Mansarovar, Jaipur-302020
E-mail : brijesh.sexena1@gmail.com
Timing Summer : 8 -12 am 5 - 8 pm
Winter : 9 -1 am - 5 - 8 pm
Sunday Evening Closed

Amit Saxena
9468957703
VOLTAS MITSUBISHI ELECTRIC acer GENERAL Haier BOSCH SAMSUNG HITACHI
COOL POINT ENGINEERS
Deals in : Air Conditioners, Miccrowave
LED, Refrigerator, Washing Machine
10/7, Swarn Path Crossing, Madhyam Marg, Mansarovar, Jaipur - 302020
Phone : 0141-2786263 | E-mail : coolpointjaipur@gmail.com

मुस्कान ग्रुप द्वारा नौतपा में आई अमावस्या के पावन दिवस पर परिंदो के लिए परिन्डे लगाने का सघन अभियान

1111 के लक्ष्य के विरुद्ध अब तक 560 से अधिक परिंडे लगाए

जोधपुर, चित्रांश एक्सप्रेस। मुस्कान ग्रुप द्वारा पर्यावरण संरक्षण क्षेत्र में सामाजिक सरोकार निभाते हुए प्रारम्भ किए गए 'परिंदों के लिए परिंडे ' अभियान की निरंतरता में आज हिंदु धर्म के दान,सेवा व आध्यात्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण ज्येष्ठ माह की अमावस्या पर अशोक उद्यान सहित चौपासनी हाउसिंग कॉलोनी स्थित विभिन्न पार्कों में क्षेत्र वासियो की उपस्थिति सघन अभियान आयोजित कर परिंडे लगाए व परिंडो में नियमित दाना पानी डालने का वचन लेने वालो को परिंडो का निशुल्क वितरण किया गया।

यह जानकारी देते हुए मुस्कान ग्रुप संस्थापक इंजीनियर निर्मल कुमार माथुर ने बताया कि 1111 परिन्डे लगाने के लक्ष्य के अंतर्गत अशोक उद्यान सहित हाउसिंग बोर्ड क्षेत्र के विभिन्न पार्कों, राजकीय विध्यालयो में पक्षियों के दाना पानी के लिए मिट्टी के अब तक 560से अधिक परिंडे लगाए जा चुके है। इस अवसर पर मुस्कान ग्रुप के श्रीमती राजेश्वरी माथुर, श्रीमती मधुबाला, दीपा माथुर, डॉक्टर आभा माथुर, वीणा माथुर, एवं सर्वश्री भगवान चंद्र, बृजेश नेपालिया, राजेंद्र प्रसाद माथुर , राजकुमार,मुकुटबिहारी माथुर , गोतम चंद मेहता, राजेन्द्र टैंकर की व्यवस्था भी की जा रही है। पंचोली ,महिपत राज भंडारी, आदित्य माथुर, प्रदीप माथुर, रमेश माथुर आदि उपस्थित रहे।

सभी ने लगाए गए परिंडो का नियमित रूप से साफ सफाई एवं दाना पानी की व्यवस्था करने का संकल्प लिया। मुस्कान ग्रुप संस्थापक इंजीनियर निर्मल माथुर ने बताया की संस्था द्वारा सामाजिक सरोकार निभाते हुए इस वर्ष कल 11 11 परिंडे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है एवम ईच्छुक व्यक्तियो को निशुल्क परिन्डे वितरित करने का कार्यक्रम अनवरत जारी रखा जाएगा। पक्षियों के साथ-साथ न केवल पशुओं के लिए बल्कि नांदडी स्थित दादा दादी वृद्धाश्रम में पूरी गर्मी में नियमित संचालन के लिए पानी उपलब्ध कराने के लिए पानी के सचिव मुकेश दत्त माथुर ने बताया कि इस अवसर पर विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि में मुरलीपुरा समिति से रवि माथुर मधुप सक्सेना शास्त्री नगर समिति से छैल बिहारी मनीष व सभा अध्यक्ष योगेश माथुर श्याम अविनाश सुरेश दिनेश नारायण अजय अशोक सुशील मनीष कोषाध्यक्ष दिनेश माथुर सहित समाज के कई गणमान लोग उपस्थित रहे।

कायस्थ सभा जयपुर पश्चिम ने पिलाया शरबत

जयपुर, चित्रांश एक्सप्रेस। कायस्थ सभा जयपुर पश्चिम ने झोटवाड़ा स्थित वेंकटेश्वर महादेव मंदिर चित्रगुप्त मंदिर परशुराम मंदिर अमन मार्ग शिवपुरी में ज्येष्ठ माह के नौतपा मे मैन रोड पर रहागरियों को शरबत वितरण का कार्यक्रम रखा गया यह जानकारी देते हुए सभा के संयुक्त

संबंध और हम

चित्रांश एक्सप्रेस । कहा गया है कि 'रहिमन धागा प्रेम का मत तोड़ो छिटकाय टूटे तो फिर ना जुड़े जुड़े गाँठ पड़ जाए ' इसका मर्म तो ये था कि किसी भी दशा या परिस्थिति में संबंधो में प्रेम ,स्नेह कम न हो क्योंकि प्रेम कम होने पर ही संशय ,अविश्वास और भ्रम घर करते हैं ।एक प्रसिद्ध गीत में कहा गया है ,'आँख धोखा है क्या भरोसा है ' जैसे बीज को पनपने के लिए हवा ,जल ,प्रकाश ,मिट्टी आवश्यक है लेकिन सबसे ज्यादा आवश्यक है उसके भीतर पनपने की इच्छा ,शक्ति,गुण । रिश्तों में इस इच्छा ,शक्ति,गुण को प्रेम समझना चाहिए ।

जब कोई संबंध बनाया जाता है ,तब भी प्रेम ही देखा जाता है बाकि बातों की परख धीरे धीरे रिश्तों में समय के साथ होती रहती है सअतः संबंध क्षणिक उन्माद नहीं हैस एक पल आवेश या भावना में बहकर न ही बनते हैं न ही निभते हैं और न ही टूटते हैं ।

मजबूत संबंधो की परख विपरीत परिस्थितियों में ही होती है जैसे एक माँ अपने बालक को लाख गलतियाँ करने पर भी नहीं त्यागती वैसे ही सच्चे और आत्मिक रिश्तों में भी हर परिस्थिति में निर्वाह की गुंजाइश रहती है । कोई भी संबंध मरता ही तब है जब उसकी संजीवनी रूपी प्रेम खत्म हो जाता है ।

रामचरित मानस में हनुमान जी सुग्रीव को सच्चे मित्र का लक्षण बताते हुए कहते हैं कि जो अपने मित्र का हर स्थिति में साथ निभाए ,जो मित्र के गुणों का सब जगह बखान करे और दुर्गुणों को छिपाए ,जो पीठ पीछे भी मित्र की निंदा न सुन सके और जो अपने मित्र के कष्ट को हमेशा अपने कष्ट से बड़ा समझे वही सच्चा संबंध है दीर्घकाल तक चले संबंधो में कई उतार चढ़ाव आते हैं किन्तु यदि प्रेम जीवित है तो संबंध आखिरी क्षणों में भी पुनर्जीवित हो जाता है । कभी कभी दुर्भाग्य वश कोई दुर्घटना घटित हो जाए तो उस एक क्षण के बदले उन अगणित आत्मीय क्षणों को

भूलना अपरिपक्वता और अविवेक की निशानी है ।

अगर महत्व उस दुः क्षण का अधिक है तो संबंध कमज़ोर है और महत्व संबंध का अधिक है तो हज़ारो दुः क्षण भी रिश्ते को टूटने नहीं देंगे ।

काल के प्रवाह में दुर्बुद्धि और दुर्विवेक के कारण मनुष्य दुर्घटनाओं ,त्रुटियों का शिकार होता है एसे में उसे सहारा देकर बाहर निकलना और सही पथ पर लाना भी तो ज़रूरी है और ये कोई प्रेमी हृदय ही कर सकता है ।

हर व्यक्ति में कोई न कोई दुर्गुण तो होता ही है लेकिन वह कभी संबंध पर भारी नही पड़ता अगर प्रेम अतुल्य हो ।प्रेम के ही कारण श्रीराम माता कैकयी को दोष नहीं देते उनके सम्मान में कमी नहीं करते क्योकि वे जानते हैं दुर्बुद्धि का एक क्षण करोड़ो स्नेह भरे क्षणों से बड़ा नहीं होता यहाँ स्नेह और प्रेम की जीत होती है इसलिए कैकयी को पश्चाताप और ग्लानि से मुक्तिदिलाते हैं स संबंध को बिखरने नहीं देते । अस्तु संबंध यदि महत्वपूर्ण है तो अप्रिय क्षण को भुलाकर प्रेम को याद रखना चाहिए क्योकि प्रेम ही सृष्टि में जोड़ता है और जोड़े रखता है ।

विजय लक्ष्मी जांगिड़ विजया
टीचर एमपीएस इंटरनेशनल ,एंकर ,राइटर

त्याग! सेवा! सहयोग! समानता! रजि. नं. COOP/2022/JAIPUR/204668

स्व. श्रीमती नलिनी माथुर
23-09-1959 - 01-06-2021

शिहान राधेगोविन्द माथुर
(चौथ का बरवाड़ा वाले)
अध्यक्ष

नलिनी फाउन्डेशन
एक पहल..... शिक्षा एवं स्वास्थ्य की ओर

सामाजिक उत्थान हेतु चलाये जा रहे अभियान :

नलिनी शिक्षा छात्रवृत्ति योजना

नलिनी शिक्षा सहायता योजना

निःशुल्क व्यवसाय प्रशिक्षण योजना

निःशुल्क सेनेटरी नेपकिन वितरण योजना

शिक्षा एवं स्वास्थ्य हेतु जागरूकता कार्यक्रम

+91 9828071297 | www.nalinifoundation.org | Email : nalinifoundation23@gmail.com

आंचलिक कार्यालय : 15/822, बाई जी कोठी, शर्मा क्लोथ स्टोर के पास, झालाना डूंगरी, जयपुर (राज.) 302004

सम्पादक – डॉ. अरूण कुमार सक्सेना । सीईओ – अजीत सक्सेना । सह–सम्पादक – रवि माथुर । संरक्षक – धर्मेन्द्र जौहरी

जयपुर, रविवार 01 जून 2025 चित्रांश एक्सप्रेस डॉट इन अंक : 105(पेज -7)

पंजीयन संख्या : COOP/2022/JAIPUR/204151

॥श्री चित्रगुप्ताय नमः॥

संस्थापित : वर्ष 2021

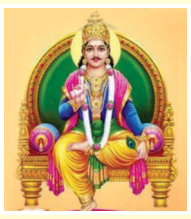

अभाकाम संस्था, राजस्थान

MSME सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम MICRO, SMALL & MEDIUM ENTERPRISES

NITI AAYOG

e-ANUDAAN MINISTRY OF SOCIAL JUSTICE & EMPOWERMENT GOVT OF INDIA

CSR CORPORATE SOCIAL RESPONSIBILITY

भारत सरकार द्वारा 80G मे छूट

-: प्रस्तुत करती है :-

मुंशी प्रेमचंद साहित्य रत्न सम्मान – 2025

प्रतियोगिता के नियम एवं शर्ते

इस वर्ष मुंशी प्रेमचंद साहित्य रत्न सम्मान–2025 संपूर्ण राष्ट्र के साहित्यकारों को निम्नलिखित श्रेणियों में दिया जाएगा

1. कविता (स्वरचित कायस्थ समाज) 2. कहानी (स्वरचित कायस्थ समाज) 3. कविता, (स्वरचित अन्य समाज)
4. कहानी "नमक का दरोगा" की समीक्षा (सर्व समाज) 5. उपन्यास "गोदान" की समीक्षा (सर्व समाज)

कलम के सिपाही और उपन्यास सम्राट के नाम से विख्यात मुंशी प्रेमचन्दजी की 145 वीं जयंती के अवसर पर आप भी अपनी कल्पनाशीलता और सृजनात्मकता को कलम की धार से स्वरचित कहानी, स्वरचित कविता, मुंशी जी द्वारा लिखी गई कहानी 'नमक का दरोगा की समीक्षा व उपन्यास गोदान की समीक्षा लिखकर प्रकट कीजिए।

सर्वश्रेष्ठ रचना/समीक्षा के लिए साहित्यकारों को मुंशी प्रेमचंद जी के 145 वें जन्मदिन के अवसर पर रविवार 3 अगस्त 2025 को नगद पुरस्कार, स्मृति चिह्न, शॉल दुपट्टा ओढ़ाकर श्रीफल एवम् प्रमाण- पत्र भेंट कर सम्मानित किया जाएगा।

प्रथम पुरुस्कार : 11,101/- **द्वितीय पुरुस्कार : 7,101/-** **तृतीय पुरुस्कार : 5,101/-** **विशिष्ठ पुरुस्कार : 1,101/- प्रत्येक श्रेणी में 3**

उक्त पुरस्कार पाँचो श्रेणियों में अलग अलग दिए जायेंगे। सांत्वना पुरस्कार :- शेष रचनाकारों का कार्यक्रम में सम्मान स्मृतिचिह्न, शॉल, दुपट्टा ओढ़ाकर व श्रीफल एवम् प्रमाण- पत्र देकर किया जाएगा।

नियम :- 1. स्वरचित कहानी के लिए शब्द संख्या 400 से अधिक ना हो। 2. स्वरचित कविता की अधिकतम पंक्तियाँ 25 से 30 तक हो। 3. मुंशी जी की कहानी नमक का दरोगा की समीक्षा 400 शब्द एवं उपन्यास गोदान की समीक्षा 800 शब्द से अधिक ना हो। 4. आपके मौलिक लेखन को ही स्वीकृत किया जाएगा। अतः अपनी रचना के साथ मौलिकता प्रमाण पत्र भी भेजें। 5. अपनी रचना अथवा समीक्षा के साथ दो तीन लाइन का अपना संक्षिप्त परिचय और फोटो भी प्रेषित करें। 6. प्रतियोगिता में सम्मिलित होने के लिए प्रति श्रेणी 500 रू. का शुल्क देय होगा। आप चाहे तो एक से अधिक स्पर्धा में भाग ले सकते हैं और एक से अधिक पुरस्कार जीत सकते हैं। एक से अधिक श्रेणी में भागलेने पर 1000 रू. शुल्क देय होगा। 7. शुल्क का भुगतान आप संस्था के स्कैनर पर PhonePe, Paytm, Google pay के द्वारा कर सकते हैं। भुगतान करने के बाद स्क्रीन शॉट रचना/समीक्षा के साथ मोबाइल नंबर 8440082770 पर ज़रूर भेजें। 8. पाँचो श्रेणियों में चयनित रचनाओं को रचनाकार के परिचय और फ़ोटो के साथ स्मारिका- 2025 में प्रकाशित किया जाएगा, अतः सृजन का स्तर उत्कृष्ट रखने का प्रयास करें। 9. प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरस्कार व विशिष्ट पुरस्कार विजेताओं को कार्यक्रम में उपस्थित होना अनिवार्य है। अनुपस्थित रहे, चयनित प्रतिभागी को कार्यक्रम पश्चात नगद पुरस्कार नहीं दिया जायेगा। 10. प्रविष्टि भेजने की अन्तिम दिनांक रविवार, 29 जून 2025 है। 11. आयोजकों का निर्णय अंतिम एवं मान्य होगा।

अपनी रचनाएँ और निर्धारित शुल्क भुगतान का स्क्रीनशॉट निम्नलिखित ई-मेल पर अथवा व्हाट्सएप नंबर पर प्रेषित करें..

abhakamsanstha@gmail-com *WhatsApp No- 8440082770

विशेष नोट :- रचनाएँ भेजने से पहले उनकी मात्रा शुद्धि और शब्द सीमा जांच लें, अशुद्धियों युक्त और शब्द सीमा से अधिक, शीर्षक रहित रचनाओं को बिना विचार के ही निरस्त कर दिया जाएगा।

ICICI Bank
Scan and Pay with any UPI app

कार्यक्रम संयोजक
डॉ. अरुण कुमार सक्सैना
8949718092

कार्यक्रम सह संयोजक
रवि माथुर
8005948472

अन्तिम तिथि : रविवार, 29 जून 2025

अभाकाम संस्था

अजीत सक्सैना अध्यक्ष | डॉ. अरुण सक्सैना महासचिव | रवि माथुर कोषाध्यक्ष | रतन सक्सैना वरिष्ठ उपाध्यक्ष | एस के श्रीवास्तव संगठन सचिव
संदीप सक्सैना उपाध्यक्ष | मधुप सक्सेना कोर्डिनेटर | धर्मेन्द्र जौहरी संरक्षक | शिहाने राधेगोविन्द माथुर संरक्षक

चित्रांश एक्सप्रेस डॉट इन

कायस्थ समाज को समर्पित

कार्यालय पता : 84/51, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर-302033

जयपुर, रविवार 01 जून 2025 | श्री चित्रगुप्ताय नमः | वर्ष -3 | अंक : 105(पेज -8)

श्री गणेशाय नमः

श्री चित्रगुप्ताय नम

REG. NO. COOP/2022/JAIPUR/204727

ॐ यमाय धर्मराजाय श्री चित्रगुप्ताय वै नमः

कायस्थ इन्टीग्रेटेड फोरम जयपुर

प्रधान कार्यायल : 116/188, लक्ष्मी निवास, डी मार्ट के सामने, शिप्रा पथ,
मानसरोवर, जयपुर–302020 मो.: 7297987689

सस्नेह–निमन्त्रण–पत्र

परम श्रद्धेय आदरणीय श्री चित्रांश/चित्रांशी

मान्यवर..... आपको सूचित करते हुए गौरवान्वित हो रहे है कि कायस्थ इन्टीग्रेटेड फोरम जयपुर (रजि.) अपने तीन (3) वर्षो की सफलता के उपलक्ष्य में हमारे कुल देवता भगवान श्री चित्रगुप्त जी की असीम कृपा से अपनी तीसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में निम्न आयोजन कर रहा है।

1. विशाल निःशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर।
2. विशाल निःशुल्क कायस्थ परिवारो का परिचय सम्मेलन।
3. कायस्थ परिवार की नवीन चित्रांश युवा प्रतिभाओं का सम्मान ।
4. कायस्थ वरिष्ठ चित्रांश बन्धुओं का सम्मान।
5. कायस्थ युवा चित्रांश नवीन विशिष्ठ प्रतिभाओं का अनुभवी कारयस्थ व्यवसायियों से व्यवसाय का अवसर प्रदान कर आत्मनिर्भर बनने के लिए चर्चा।
6. कुल देवता भगवान श्री चित्रगुप्त जी के सर्वाधिक मंत्र लेखन प्रथम पांच साधको को सम्मानित किया जायेगा।
7. कायस्थ चित्रांश युवाओं द्वारा संगीत प्रतिस्पर्धा का आनंद।
8. कुल देवता भगवान श्री चित्रगुप्त जी आरती एवं भोजन प्रसादी

दिनांक 29 जून 2025 रविवार
समय : प्रातः 9 बजे से 2 बजे तक

स्थान : विकास विद्या मन्दिर सीनियर सैकेण्डरी स्कूल
116 सेक्टर, पानी की टंकी के पास, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर

कायस्थ इन्टीग्रेटेड फोरम समाज की प्रतिभाशाली परिवार के युवा डॉक्टर, इन्जिनियर, चार्टड एकाउन्टेट और सरकारी एवं अर्द्ध सरकारी राजकीय सेवाओं में कार्यरत युवा चित्रांश/चित्रांशी के अभिभावकों का निःशुल्क परिचय सम्मेलन करवा रही है। व्यवस्था को सुचारू समुचित के लिए अभिभावक अपने चित्रांश/चित्रांशी का विस्तृत सूचना नीचे लिखे व्हाटसअप नम्बर पर आयोजकों को समय से पूर्व सूचित कर देवें। सुव्यवस्थित प्रोग्राम का आनद लेने के लिए।

डॉ. अनिल सक्सेना	विजय सक्सेना	नवीन सक्सेना	बृजेन्द्र सक्सेना	प्रवीण कुमार सक्सेना
अध्यक्ष	उपाध्यक्ष	सचिव	महाचिव	कोषाध्यक्ष
7297987689	9610475123	9772786345	9587339881	9460871098
डॉ. राजीव सक्सेना	राकेश कुलश्रेष्ठ	नृसिंह सक्सेना	आदित्य राय माथुर	अरूण माथुर
राष्ट्रीय संयोजक	राष्ट्रीय सह–संयोजक	जिला सह संयोजक	जिला संयोजक	प्रदेश संयोजक

के.बी. हजेला – प्रदेश सह संयोजक

लाला राधे गोविन्द माथुर, सुधेन्द्र शरण सक्सेना, अनुप श्रीवास्तव, जितेन्द्र नाग, शिवनन्दन श्रीवास्तव, विनोद माथुर, संजय भटनागर, ऋषीराज सक्सेना, धर्मेश सक्सेना, दीपेश भटनागर, धर्मेन्द्र सक्सेना, अक्षत भटनागर, सुधीर सक्सेना, ओम हरि प्रधान, डॉ. दीपेश सक्सेना, सुशील श्रीवास्तव, अशोक सक्सेना, नारायण प्रसाद सक्सेना, ज्ञानेश माथुर, आशुतोष सिन्हा, एडवोकेट सुनील सक्सेना, डॉ. राजेश सक्सेना, विवेक श्रीवास्तव, राकेश सक्सेना, दीपक भटनागर, अजय सक्सेना, मेहुल माथुर, दिनेश सक्सेना, ह्रदेश सक्सेना, मनीष माथुर, मदन मोहन सक्सेना, श्याम सुन्दर माथुर, अरूण सक्सेना, अरूण माथुर, प्रमोद श्रीवास्तव, विक्रम भटनागर

महिला प्रकोष्ठ – नीलम सक्सेना–संस्थापक, उषा राय माथुर–राज्य संयोजक, नेहा भटनागर–राज्य सह–संयोजक, मिथलेश सक्सेना–प्रदेश संयोजक, शिल्पा संयोजक – प्रदेश सह–संयोजक, इन्दू भटनागर–जिला संयोजक, ममता सक्सेना–जिला सह–संयोजक, रंजना सक्सेना, निधि सक्सेना, श्रद्धा सक्सेना, अंजना प्रधान, कुसुम श्रीवास्तव, संगीता सक्सेना, उपासना सक्सेना, मंजू माथुर, डॉ. ज्योति सक्सेना, रश्मि माथुर, भावना सक्सेना, रेखा सक्सेना, शान्ता सक्सेना, मनीषा श्रीवास्तव, हितेश सक्सेना,रेण श्रीवास्तव, मनीला सक्सेना, कुसुम सक्सेना, श्रीमती कमलेश माथुर, श्रीमती रागिनी सक्सेना, श्रीमती रेखा, श्रीमती सविता सक्सेना, सुनीता सक्सेना